दिल्ली सल्तनत, जिसने 13वीं से 16वीं शताब्दी तक भारतीय उपमहाद्वीप के विभिन्न हिस्सों पर शासन किया, के पास शासन के विभिन्न पहलुओं के लिए जिम्मेदार विभिन्न अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ एक सुव्यवस्थित प्रशासनिक प्रणाली थी।

यहां दिल्ली सल्तनत के कुछ प्रमुख अधिकारियों और कर्मचारियों की सूची दी गई है:

1. सुलतान: दिल्ली सल्तनत के शासक के पास सर्वोच्च प्राधिकार होता था और वह सरकार का प्रमुख होता था। शासन, नीति और प्रशासन के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए सुल्तान जिम्मेदार था।
2. वज़ीर या वज़ीर: वज़ीर ने सुल्तान के प्रधान मंत्री और मुख्य सलाहकार के रूप में कार्य किया। इस अधिकारी ने प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें राज्य के मामलों पर शासक को सलाह देना और प्रशासन की देखरेख करना शामिल था।
3. अमीर-ए-दीवान: यह अधिकारी वित्तीय एवं राजस्व मामलों के लिए उत्तरदायी था। उन्होंने राज्य के वित्त, कराधान और राजस्व संग्रह के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
4. सद्र: सद्र धार्मिक मामलों का प्रभारी था और राज्य की धार्मिक संस्थाओं और बंदोबस्ती की निगरानी करता था। उन्होंने धार्मिक सद्भाव और बंदोबस्ती बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
5. **Mir Bakshi:** मीर बख्शी सेना के प्रशासन और सैनिकों की भर्ती के लिए जिम्मेदार था। वे नियुक्तियों और पदोन्नति सहित सेना के मामलों की देखरेख करते थे।
6. नायब या डिप्टी: नायब साम्राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए सुल्तान द्वारा नियुक्त एक डिप्टी था। उनके पास अपने-अपने क्षेत्रों में प्रशासनिक और राजनीतिक जिम्मेदारियाँ थीं।
7. दीवान-ए-आरिज़ या सैन्य विभाग: यह विभाग सेना के वित्त, वेतन और रसद के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार था। दीवान-ए-आरिज़ ने मीर बख्शी के साथ मिलकर काम किया।
8. दीवान-ए-इंशा या शाही पत्राचार: यह विभाग पत्र, दस्तावेज़ और विदेशी शासकों के साथ संचार सहित आधिकारिक पत्राचार का प्रबंधन करता था।
9. अनुभवी: काजी एक न्यायाधीश के रूप में कार्य करता था और इस्लामी कानून का संचालन करने, कानूनी विवादों को सुलझाने और राज्य में न्याय को कायम रखने के लिए जिम्मेदार था।
10. **Kotwal:** शहर में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी कोतवाल की होती थी। उन्होंने पुलिस प्रमुख के रूप में कार्य किया और शहर की सुरक्षा की देखरेख की।
11. **Mukhtiyar or Diwan-i-Rasalat:** यह अधिकारी इस्लामी कानूनों और रीति-रिवाजों को लागू करने सहित धार्मिक मामलों के लिए जिम्मेदार था। उन्होंने धार्मिक प्रथाओं का पालन सुनिश्चित करने में भूमिका निभाई।
12. महत्वपूर्ण: मुहतासिब बाजार नियमों को लागू करने, निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं को सुनिश्चित करने और बाजारों में मानकों को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार था।
13. सिपहसालार या कमांडर-इन-चीफ: सिपहसालार दिल्ली सल्तनत में सर्वोच्च रैंकिंग वाला सैन्य अधिकारी था और सैन्य अभियानों के दौरान सेना की कमान संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था।
14. काज़ी-उल-कुज़्ज़त: इस अधिकारी ने मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया और उच्चतम न्यायालय की अध्यक्षता की। वे जटिल कानूनी मामलों में इस्लामी कानून की व्याख्या और उसे लागू करने के लिए जिम्मेदार थे।
15. दारोग़ा: दारोगहा प्रशासन के भीतर विभिन्न विभागों और कार्यों के प्रभारी अधिकारी थे, जैसे कि राजकोष, शाही उद्यान और शाही रसोई।

ये कुछ प्रमुख अधिकारी और पदाधिकारी हैं जिन्होंने दिल्ली सल्तनत के प्रशासनिक ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विशिष्ट उपाधियाँ और भूमिकाएँ सल्तनत के इतिहास में विभिन्न अवधियों और विभिन्न शासकों के अधीन भिन्न-भिन्न हो सकती हैं।